

Mission Prerna UP- 2019-2020

ए०आर०पी० प्रदर्शन मानक व सूचक

ए०आर०पी० की भूमिका आगामी सालों में प्रदेश में लागू किए जा रहे समस्त शैक्षिक सुधार के प्रयासों में अपने ब्लाक में परिवर्तनकर्ता (एजुकेशन चेंज मेकर) के रूप में होगी। इसलिए उसे अपनी भूमिका और दायित्वों के निर्वहन के लिए स्वयं का न्यूनतम प्रदर्शन और योगदान बनाए रखना होगा। नवगठित ए०आर०पी० के प्रदर्शन का आंकलन नीचे दिए गए मानकों के आधार पर नियमित होता रहेगा। इस मानकों के आधार पर विकसित सूचकों के जरिए वे स्वयं का भी आंकलन करते रहेंगे।

1. अकादमिक समझ को व्यक्त कर पाते हैं और उसे अभ्यास में बदलते हैं।			
1.1 वांछनीय शिक्षण विधि व अकादमिक समझ को स्वयं कक्षा में क्रियान्वित कर पाते हैं।			
A	B	C	D
गतिविधियों को विविध परिस्थितियों के लिये, विशेष तौर पर वंचित बच्चों के लिये शिक्षकों के साथ बना पाते हैं। शिक्षक उसका प्रभावी प्रयोग करते हैं।	गतिविधियों की स्पष्ट समझ है। स्वयं कर पाते हैं और स्कूल विजिट के दौरान शिक्षक को सहारा दे कर गतिवोधि बना पाने में साफल बना पाते हैं।	सामान्य गतिविधियाँ बना पाते हैं लेकिन स्कूल विजिट के दौरान उसका उपयोग यदा-कदा ही करते हैं।	रचनावादी शिक्षण पद्धति के अनुसार गतिविधियाँ बना नहीं पा रहे हैं अतः शिक्षकों को किसी प्रकार की अकादमिक मदद नहीं दे पा रहे हैं।
1.3 फाउंडेशनल लर्निंग के लिए निर्धारित करिकुलम, लर्निंग आउटकम और सामग्री के उपयोग में दक्ष हैं व उसे प्रभावी रूप से दूसरों तक पहुंचा सकते हैं।			
A	B	C	D
स्वयं अपेक्षित तरीकों व स्तर पर कर लेते हैं और शिक्षकों में उस उम्र के बच्चों व फाउंडेशनल लर्निंग की विशेष आवश्यकताओं के अनुसार कार्य करने की स्वीकार्यता व क्षमता पैदा करते हैं।	लक्ष्यों, तरीकों, सामग्रियों व व्यवहारों में उस उम्र के बच्चों व फाउंडेशनल लर्निंग की विशेष आवश्यकताओं के अनुरूप सामंजस्य है। शिक्षक के साथ मिलकर प्लानिंग और उसका प्रयोग भी करते हैं।	उपयुक्त अधिगम बिंदुओं व सामग्री का चयन तो कर लेते हैं लेकिन शिक्षकों के साथ मिलकर विधि के उपयुक्त तरीके उभार नहीं पाते।	प्रारंभिक कक्षाओं में बच्चों की उम्र और फाउंडेशनल लर्निंग की विशेष आवश्यकताओं के अनुसार विधियों, व्यवहार, सामग्री व अधिगम उद्देश्यों का उचित चयन नहीं कर पाते।
2. समता की समझ, व्यवहार और प्रैक्टिस का प्रदर्शन देते हैं।			
2.2 समुदाय और माता-पिता की भागीदारी को मूल्य देते हुए शिक्षकों व ए आर जी को उसे सुनिश्चित करने के लिये तैयार करते हैं।			
A	B	C	D
शिक्षकों के साथ समुदाय, माता-पिता और एस एम सी को उन के ज्ञान के भंडार के आधार पर उनसे शैक्षिक साझेदारी करते हैं। शिक्षकों को भी इसमें सक्षम बनाते हैं।	शिक्षकों के साथ समुदाय और माता-पिता की साझेदारी के तरीके अपनाते हैं। एस एम सी के साथ स्कूल के विकास के निर्णय लेने में शिक्षकों स्कूल को सपोर्ट करते हैं।	बच्चों का सीखना सुनिश्चित करने के लिए शिक्षकों के साथ समुदाय व माता-पिता का सहयोग लेने के तरीकों पर चर्चा करते हैं।	समुदाय व माता-पिता के बारे में नकारात्मक टिप्पणी करते हैं अतः उनकी भागीदारी के लिये कोई विशेष प्रयास नहीं करते।
3. प्रभावशाली कार्य करने हेतु क्षेत्र एवं शिक्षकों की समझ उपयुक्त समझ।			
3.1 अपने क्षेत्र की वास्तविक परिस्थितियों और शिक्षकों की अपेक्षाओं के प्रति सजग हैं।			
A	B	C	D

क्षेत्र की वास्तविक परिस्थितियों से भली भाँति परिचित हैं। उनके बारे में उनके पास अभिलेख है। शिक्षकों के साथ मिलकर उनके बेहतर उपयोग, प्रयोग के बारे में योजना बनाते हैं तथा अमल करते हैं।	अपने क्षेत्र की वास्तविक परिस्थितियों को गहराई से समझते हैं। क्षेत्रीय संदर्भ, संसाधनों के बारे में जानते हैं। शिक्षकों को सुनते हैं। उनसे स्थानीय स्रोतों के उपयोग के बारे में चर्चा करते हैं।	अपने क्षेत्र की वास्तविक परिस्थितियों से परिचित तथा सजग हैं। परंतु उसका उपयोग शैक्षिक सुधार के लिए नहीं होता। शिक्षकों की अपेक्षाएँ समझते हैं पर कोई पहल नहीं करते।	अपने क्षेत्र की वास्तविक परिस्थितियों से कुछ-कुछ परिचित हैं। शिक्षकों की शैक्षिक सुधार सम्बंधी अपेक्षाओं की जानकारी उन्हें नहीं है।
--	---	---	---

4. सपोर्टिव मॉडल के रूप में शिक्षक का समर्थन करते हैं।

4.1 अलग-अलग स्तरों पर हो रही शैक्षिक प्रक्रियाओं पर शिक्षकों से गहराई में जानकारी ले पाते हैं तथा सकारात्मक फीडबैक दे पाते हैं।

A	B	C	D
पूर्ण रूप से सहयोगी की भूमिका में हैं। विभिन्न सवालों के जरिए शिक्षकों को धैर्यपूर्वक सुनते हैं। उनसे फीडबैक ले कर योजनाबद्ध ढंग से अकादमिक सपोर्ट प्रदान कर रहे हैं।	शिक्षकों को धैर्यपूर्वक सुनते हैं। उनसे राय मांगते हैं। उनकी राय पर मिलकर योजना बनाते हैं और स्कूल सुधार के लिए काम करते हैं।	स्वयं को एक अकादमिक सहयोगी के रूप में जानते हैं। स्कूलों में शैक्षिक सुधार के लिए सलाह देते हैं पर विद्यालय स्तर पर यह कार्य करने हेतु उनके पास कोई निश्चित योजना नहीं है।	निरीक्षक की भाँति अपना कार्य कर रहे हैं। स्कूल विजिट के दौरान ऐडमिन रिलेटेड पूछताछ करते हैं। अपने आप को शिक्षकों से उच्च दिखाते हैं।

5. सहयोगात्मक नेतृत्व और समन्वयन कौशल के आधार पर लक्ष्य हासिल करने में सबको जोड़ते हैं।

5.1 सहयोगात्मक रूप से सभी शिक्षकों को जोड़ कर उनकी सहभागिता सुनिश्चित कर पाते हैं

A	B	C	D
सभी शिक्षकों के नाम, उनकी योग्यता, अकादमिक अभिरुचियों तथा विशेषज्ञता व कमियों के क्षेत्रों से परिचित हैं। उनकी कमियाँ सुधारने में मदद करते हैं तथा खूबियों का संकुल में प्लानिंग के साथ उपयोग करते हैं।	सभी शिक्षकों से भली भाँति परिचित हैं तथा उनकी अकादमिक आवश्यकताओं को पहचानकर कमियाँ सुधारने में मदद देते हैं। शिक्षकों से आत्मीय व्यवहार करते हैं।	शिक्षकों के बारे में आवश्यक जानकारी यथा नाम, निवास, अकादमिक अनुभव, रुचि के क्षेत्र आदि की जानकारी रखते हैं। उनकी जरूरतों और आवश्यकता के क्षेत्रों पर सामान्य समझ रखते हैं।	शिक्षकों के बारे में केवल सामान्य जानकारी यथा नाम, निवास आदि ही रखते हैं। उनकी जरूरतों और आवश्यकता के क्षेत्रों की समझ नहीं है।

6. डाटा का उपयोग करके निर्णय और प्रमाण आधारित एक्शन लेते हैं।

6.1 छात्रों के सीखने के डेटा के विश्लेषण के आधार पर कक्षा, स्कूल व ब्लॉक स्तर पर लिये जाने वाले कदमों की पहचान कर सकते हैं।

A	B	C	D
बच्चों के आंकलन के डेटा को विश्लेषित कर पाते हैं कि किन फोकल आउटकम में अधिकांश बच्चे पिछड़ रहे हैं। उसके अनुरूप विविध परिस्थितियों के लिए, खासकर वंचित बच्चों के लिए व्यावहारिक इनपुट दे पाते हैं और शिक्षकों में यह क्षमता	बच्चों के आंकलन के डेटा को विश्लेषित कर पाते हैं कि किन फोकल आउटकम में अधिकांश बच्चे पिछड़ रहे हैं और उसके अनुरूप शिक्षकों को व्यावहारिक इनपुट दे पाते हैं। शिक्षकों में यह	बच्चों के आंकलन का डेटा देखकर अधिकांश बच्चे किन फोकल आउटकम पर अच्छा नहीं कर पा रहे की पहचान है लेकिन उसके अनुरूप व्यावहारिक इनपुट नहीं दे पाते।	कभी-कभार बच्चों के आंकलन का डेटा देखते हैं परंतु उसका विश्लेषण नहीं करते, न ही उसका कोई उपयोग किया जाता है।

विकसित करते हैं।	क्षमता विकसित करने की पहल करते हैं।		
7. ऐ आर जी सदस्य के रूप में सतत स्वविकास करते रहते हैं।			
7.1 ऐ आर जी सदस्य के रूप में स्वयं के विकास को ले कर सजग हैं और सतत कदम उठाते रहते हैं।			
A	B	C	D
अपने सीखने के लक्ष्य और समयबद्ध योजना बनाते हैं। इसके लिए विविध स्रोतों से अपना सीखते रहना सुनिश्चित करते हैं और दूसरों को भी प्रोत्साहित करते हैं।	अपने सीखने के लक्ष्य और समयबद्ध योजना बनाते हैं और उनके आधार पर विविध स्रोतों से सीखते रहने का प्रयास करते हैं।	ए०आर०पी० की भूमिका, दायित्व और कार्यों को पूर्ण करने हेतु प्रयास करते हैं किंतु अपने सीखने के लक्ष्य और योजना नहीं बनाते।	ए०आर०पी० की भूमिका, दायित्व और कार्यों की कुछ समझ है लेकिन उन्हें पूर्ण करने हेतु समयबद्ध योजना बनाने का प्रयास नहीं करते।